मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी अभियान
समन्वय समिति बैठक
8 जून 2017

अभियान की समन्वय समिति बैठक दिनाक 8 जून 2017 को होटल अंकित जबलपुर में हुई जिसमें राज्य समन्वय समिति के 10 सदस्य व् CHSJ से 3 साथी उपस्थित थे जिनके नाम निम्नानुसार हैं-

1. अरुण त्यागी
2. निधि शुक्ला
3. केदार रजक
4. सुशील शर्मा
5. शेषमणि
6. रामजी राय
7. आर एस गौड़
8. प्रमोद तिवारी
9. मंजू सिंह
10. रामकुमार
11. प्रेमदास
12. संध्या गौतम
13. रुद्रक्षिना

इस बैठक का आयोजन काफी लम्बे समय के बाद संभव हो पाया था और अभियान सम्बंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुली चर्चा की गयी जिसमें उपस्थित साथियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी व् राय रखी जिसका सारांश निम्नानुसार है-

सत्र 1: अभियान की पहचान, मल्कियत (ownership), उत्तरदायित्व और जवाबदेही

- सतत प्रयासों के बाद अभियान की पहचान जिले व् राज्य स्तर पर स्थापित हुई है| नए साथियों का अभियान से जुड़ना व् आदिवासी क्षेत्र में पहचान बनना अपने आप में उल्लेखनीय है|
- सभी साथियों द्वारा अजय लाल द्वारा किये गए प्रयासों व् उनके जुड़ाव को सराहा गया व् अभियान को मज़बूत करने में उनके योगदान हेतु धन्यवाद दिया|

- अभियान की मल्कियत और उसके प्रति उत्तरदायित्व हर एक साथी का है और न कि केवल सचिवालय का| सभी की जिम्मेदारी बनती है कि अभियान की मजबूती के लिए अतिरक्त जिम्मेदारियाँ लें|
- सभी साथियों को अन्य जिलों से समान सोच रखने वाली संस्थाओं व् लोगों को अभियान से जोड़ने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए|
- अभियान में अभी तक समाज सेवी संस्थाएं व् संगठनों को जोड़ा गया है | मीडिया साथियों को कुछ जिलों में जोड़ने का प्रयास किया गया है| परन्तु आवश्यक है कि विभिन्न प्रकार के लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जाये जैसे कि संवेदनशील नागरिक, छात्र, सामाजिक व् स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़े वकील|
- अभियान के साथियों का मातृत्व स्वास्थ्य से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी समझ बढ़ाना आवश्यक है जिसके क्षमता वर्धन हेतु रणनीति बनायी जाएगी|
- अभियान जिन मुद्दों पर काम कर रहा है उन्हें धरातल पर स्थापित करने हेतु रणनीति बनाने की आवश्यकता है ताकि बेहतर रूप से काम किया जा सके|
- अभियान की गतिविधियों के लिए संसाधन का अभाव एक चुनौती है परन्तु संसाधन खोजने की जिम्मेदारी भी सभी साथियों को लेनी होगी|
- साथ ही साथियों को कम संसाधन में अपनी आवाज़ बुलंद करने के तरीके ढूँढने होंगे| कुछ गतिविधियाँ जैसे कि सूचना के अधिकार का उपयोग, अधिकारियों को पत्र लिखना, पोस्ट-कार्ड कैंपेन, अन्य संगठनों के साथ एकजुटता रखना आदि को सतत रूप से किया जा सकता है|
- अभियान की गतिविधियों को सतत रखने हेतु साथियों का जिम्मेदारी लेना आवश्यक है ताकि जिला स्तर पर कम से कम कुछ गतिविधि चलती रही| कुछ साथियों ने बताया कि वह अपने जिले में निरंतर बैठकें करते हैं परन्तु रिपोर्ट साझा नहीं कर पाए हैं| वहीं कुछ दुर्गम क्षेत्र के साथियों का कहना था कि उनके यहाँ स्वैच्छिक रूप से अभियान की बैठक आयोजित करना कठिन है और दूर दराज़ से आने वाले लोगों को कम से कम यात्रा व्यय व् कुछ चाय नाश्ता करवाना अनिवार्य है| सचिवालय द्वारा बैठक हेतु बजट प्रावधान पर विचार करने की बात कही गयी|
- एक साथी ने बताया कि नसबंदी शिविर अवलोकन सम्बंधित मीडिया में खबर देने के पश्चात् उनपर प्रशासनिक दबाव बनाया गया ताकि जिले का नाम ख़राब न हो| ऐसे में साथी का कहना था कि सचिवालय व् अन्य साथियों द्वारा मनोबल बढ़ाने हेतु support की आवश्यकता थी| सचिवालय द्वारा आतंरिक समन्वय की कमी को समझ कर भविष्य में ऐसी स्थिति आने पर पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया गया|

- महत्वपूर्ण राय यह थी कि अभियान का कार्य व्यक्ति या संस्था केन्द्रित न हो और एक व्यक्ति की अनुपस्थिति में कार्य पर असर नहीं पड़ना चाहिए|
- सभी उपस्थित साथियों ने एकमत से कहा कि मध्य प्रदेश में मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी अभियान की सख्त जरुरत है । MHRC एक अलग तरह का नेटवर्क व अभियान है जो उन सबका का है जो भी इस से जुड़े हैं| MHRC सबको समान रूप से मंच प्रदान करता है ताकि सबकी भागेदारी सुनिश्चित हो सके ।
- साथियों का मानना था कि MHRC सदस्य सतत रूप से स्वास्थ्य अधिकारों को लेकर जमीनी हकीकत को सामने लाते रहें हैं जिसके कारण MHRC द्वारा उनकी पहचान प्रदेश में मजबूत हुई है । सभी ने सर्वसहमति से कहा की क्योंकि MHRC हमारा है अतः हम सभी और समन्वय समिति इस को सक्रीय रखने की और मजबूत बनाने की जिम्मेवारी लेते हैं ।

सत्र 2: अभियान की समन्वयन व्यवस्था व् चुनौतियाँ

- सचिवालय की व्यवस्थाओं को लेकर साथियों के मन में काफी चीज़ें अस्पष्ट थीं क्यूंकि सचिवालय का पत्राचार पता अलग था, सचिवालय प्रतिनिधि के बैठने की जगह कहीं और थी व् सचिवालय का कोई स्थायी कार्यालय नहीं था|
- साथ ही सचिवालय प्रतिनिधि के इस्तीफे की खबर से काफी गलत सन्देश साथियों तक पहुँचा था जिससे लगा कि अभियान का काम स्थगित कर दिया गया है|
- सचिवालय से प्रेमदास द्वारा बातों को स्पष्ट किया गया| CHSJ का कार्य मध्य प्रदेश में बंद नहीं हुआ है बल्कि हम बीड़ी श्रमिकों के साथ जुड़कर एक नया कार्य शुरू करने वाले हैं| इस कार्य के साथ अभियान का कार्य भी निरंतर रूप से चलता रहेगा| मध्य प्रदेश से संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अचानक इस्तीफा दे देने से सचिवालय स्तर पर कुछ समय के लिए समन्वय व्यवस्था में परेशानी हुई थी परन्तु जब तक कि भोपाल स्तर पर कोई स्टाफ नियुक्त नहीं होता तब तक दिल्ली से अभियान का कार्य रुद्रा संभालेगी और जहाँ भी आवश्यकता हो उपस्थित होगी|
- वर्तमान में सचिवालय CHSJ में स्थित है परन्तु बेहतर व्यवस्था हेतु संभागीय सचिवालय का प्रस्ताव भी रखा गया जिसमें तीन संभागीय सचिवालय हो सकते हैं जहाँ उस संभाग की सक्रीय संस्था ज्यादा ज़िम्मेदारी ले सकती है और CHSJ का तकनीकी सहयोग सतत रहेगा| इसपर संभाग स्तरीय बैठक में विचार करने की बात की गयी|
- यह चिंता भी सामने रखी गयी कि समन्वय समिति के कुछ सदस्यों के निरंतर अनुपस्थित होने से अन्य साथियों का मनोबल टूटता है| अतः आवश्यकता है कि साथी संस्थाओं द्वारा

अपनी अनुपस्थिति में जिले के प्रतिनिधित्व हेतु किसी का चयन किया जाये ताकि अभियान का कार्य सुचारू रूप से चल सके| इस विषय पर संभाग स्तरीय बैठक में चर्चा की जाएगी |

- प्रेमदास ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में सचिवालय CHSJ में ही है, केवल व्यवहारिक कारणों से पत्राचार हेतु संगिनी का पता दिया गया था ।

➢ **अभियान के बेहतर समन्वयन हेतु निर्णय-**

- अभियान के कार्य के बेहतर प्रबंधन हेतु छोटे संभाग बनाये गए व् संभाग में आने वाले जिलों में अभियान के कार्य की मजबूती हेतु जिम्मेदारियाँ तय की गयीं| इन जिम्मेदारियों को विस्तार से लिखकर सभी के साथ साझा किया जाएगा | सभी जिलों में संपर्क बनाकर संभाग स्तरीय समिति की बैठक 20 जून तक की जाएगी| इन बैठकों में पुराने साथियों को भी शामिल किया जाएगा और नए साथियों को भी जोड़ा जाएगा|

संभाग का नाम	**जिले**	**समन्वयक**	**वरिष्ठ सलाहकार**
रेवांचल संभाग	रेवा, सतना, सीधी, सिंगरौली	शेषमणि शुक्ला	अरुण त्यागी
शहडोल संभाग	शहडोल, उमरिया,अनुपपुर	सुशील शर्मा	अरुण त्यागी
चम्बल संभाग	मोरेना, श्योपुर, भिंड,	प्रमोद तिवारी, आर.एस.गौड़	देवेन्द्र भदौरिया
ग्वालियर संभाग	ग्वालियर,गुना,दतिया,अशोकनगर,शिवपुरी	रामजी शरण	देवेन्द्र भदौरिया
भोपाल संभाग	भोपाल,सिवनी,रायसेन,छिन्दवाड़ा, विदिशा,सीहोर,नर्सिंघ्पुर	निधी शुक्ला	प्रार्थना

- उपरोक्त दिए गए जिलों के अलावा केदार रजक को छतरपुर जिले की और अरुण त्यागी को जबलपुर संभाग में अभियान की पहचान बनाने व् साथियों को जोड़ने की जिम्मेदारी दी गयी| इन जिलों के लिए अलग रणनीति तय की जाएगी|
- अभियान की पूर्व संयोजक समिति के प्रयासों व् योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया और साथ ही समिति का पुनर्गठन किया गया जिसमें निम्न साथी हैं
  - स्मृति (भोपाल)
  - निधि (भोपाल)
  - सुशील (अनुपपुर)
  - रामजी (दतिया)
  - रुद्रा (सचिवालय)

- बेहतर संचार हेतु एक नयी संचार समिति का गठन किया गया जो कि साथ मिलकर अभियान के संचार माध्यमों को मज़बूत करेंगे जैसे कि ईमेल ग्रुप, whatsapp ग्रुप, ब्लॉग व् न्यूस्लेटर| समिति की कार्य जिम्मेदारियों को विस्तार से लिखा जाएगा व् सभी के साथ साझा किया जाएगा| संचार व्यवस्था को सुधारने में सभी साथियों का योगदान आवश्यक होगा और यह समिति तालमेल बैठाकर कार्य करेगी | इस समिति में निम्न साथी हैं-
    - रामजी (दतिया) - **समन्वयक**
    - प्रमोद (श्योपुर)
    - केदार (सीधी)
    - निधी (भोपाल)

सभी साथियों के सुझाव को ध्यान में रखते हुए समिति सदस्यों ने MHRC का फेसबुक पेज शुरू करने का निर्णय लिया ।

- अभियान में महिला कार्यकर्ताओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने व् उनकी सक्रीय भूमिका सुनिश्चित करने हेतु सभी जिलों से एक एक महिला साथी को भी राज्य समन्वय समिति में जोड़ने की बात रखी गयी जिससे कि संभाग व् जिला स्तर पर मातृत्व व् प्रजनन स्वास्थ्य पर काम मजबूत हो|
- सभी की सहमती सचिवालय को भोपाल में ही स्थित रखने पर थी परन्तु एक स्थायी कार्यालय की आवश्यकता पर भी चर्चा की गयी| अरुण त्यागी जी द्वारा भोपाल में उनकी संस्था के कार्यलय का पता देने का प्रस्ताव रखा गया जिसपर मौजूदा समन्वय समिति के साथियों द्वारा सहमती दी गयी| साथियों द्वारा संगिनी संस्था को बहुत आभार व्यक्त किया गया क्यूंकि उन्होंने अब तक अभियान के पत्राचार हेतु अपने कार्यालय का पता दिया था| अभियान का पत्राचार हेतु पता निम्न है-

  Maternal Health Rights Campaign (MHRC)
  C/O FLAT NO: 8A, Patrakar Colony, Link Road No: 3 Bhopal, Madhya Pradesh

आगे की गतिविधियाँ (जून से सितम्बर)

- नसबंदी शिविर अवलोकन के आंकड़ों का इस्तेमाल करके जिला स्तर पर प्रेस कांफ्रेंस कर CMHO व् कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने पर राय बनीं| सचिवालय द्वारा जिला रिपोर्ट तैयार की जाएगी और बजट का प्रावधान भी किया जाएगा| रुद्रा द्वारा नसबंदी शिविरों के अवलोकन रिपोर्ट के मुख्य निष्पत्तियों को साँझा किया गया ताकि साथी शिविर के दौरान देखी गयी कमियों का महिलाओं के स्वास्थ्य पर किस तरह का असर होता है, ये मुद्दा प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मजबूती से उठा सकें|

- सभी साथियों से अपने जिले हेतु अभियान का एक बैनर बनवाने को कहा गया जो कि किसी गतिविधि केन्द्रित न हो और हमेशा इस्तेमाल किया जा सके|
- कुछ साथियों ने वंचित समुदाय से जुड़ाव बनाने की बात कही जैसे बेड़िया समुदाय व् बाहरिया समुदाय ताकि उनकी विशेष स्थिति व् परेशानियों को समझा जा सके और अभियान के कार्य को व्यापक रूप से बढ़ाया जा सके|
- केदार द्वारा यह भी बताया गया कि साथी जो अपने फील्ड में छोटे मोटे शोध या सर्वे करते हैं उनके आंकड़ों पर भी अभियान के माध्यम से स्थानीय स्तर पर पैरोकारी के अवसर देखने चाहिए|
- NAMHHR सदस्य संध्या गौतम द्वारा अगस्त अथवा सितम्बर माह में अभियान के साथियों हेतु प्रजनन व् यौनिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला आयोजित करने की बात कही जिसके लिए जल्द ही प्लानिंग की जाएगी|

समय सारणी (timeline)

- संभाग स्तरीय बैठकें 20 जून तक की जाएँगी जिसमें समिति का पुनर्गठन होगा|
- जिला स्तर पर नसबंदी अवलोकन आंकड़ों के साथ पैरोकारी की चर्चा की जाएगी|
- NAMHHR द्वारा साथियों के लिए प्रजनन व् यौनिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला का आयोजन सितम्बर में किया जाएगा|
- अगली राज्य समन्वय समिति की बैठक सितम्बर में की जाएगी|